Dainik Bhaskar

गुमनाम योद्धाओं को मिलेगा 'चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवॉर्ड'

मेडिकल व कम्यूनिटी हैल्थकेयर, एजुकेशन और सोशल सर्विस सेक्टर में दिए जाएंगे 45 अवॉर्ड

एनएस आनंद, विशेष गुप्ता, संदीप बख्शी, रोशन लाल रैना।

सिटी रिपोर्टर | कोविड के मुश्किल दौर में गुमनाम योद्धाओं ने अपनी जान की परवाह नहीं की। औरों की जिंदगी के लिए खड़े हुए और सेवाएं दीं। ऐसे योद्धाओं को खास पहचान, सम्मान और उनके जज्बे को सलाम करने के लिए 'चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवॉर्ड' से सम्मानित किया जाएगा। प्रेस क्लब में बुधवार को जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी और भारत सोका गक्कई (बीएसजी) के अध्यक्ष विशेष गुप्ता की ओर से संयुक्त रूप से आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इस अवॉर्ड की घोषणा की गई। मेडिकल व कम्यूनिटी हैल्थकेयर, एजुकेशन (स्कूल व यूनिवर्सिटी) और सोशल सर्विस सेक्टर में कुल 45 अवॉर्ड्स दिए जाएंगे। हर कैटेगरी में सब कैटेगरी होगी।

मीडिया से रूबरू होते हुए जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी ने कहा, 'चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवॉर्ड' की शुरुआत राजस्थान से कर रहे हैं। इससे देश-दुनिया में उन लोगों के बारे में जानें, जिन्होंने कोविड के मुश्किल दौर में अपनी परवाह नहीं की और अनजान लोगों की मदद की। हम इस प्रयास में बीएसजी के साथ मिलकर इस कार्य को व्यापक स्तर पर चलाएंगे। बीएसजी अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने कहा कि, पिछले 2 सालों में समाज में योगदान देने वालों के अलावा एजुकेशन व मेडिकल कैटेगरी में अवॉर्ड देंगे। पूरे मानदंडों को पूरा करने वाले अभ्यर्थी को पुरस्कार के लिए नामांकित किया जाएगा। नामांकन प्रक्रिया 15 दिसंबर से शुरू हो चुकी है, 15 जनवरी 2022 तक नामांकन भर सकेंगे। विजेताओं का चयन प्रतिष्ठित ज्यूरी पैनल करेगी। पुरस्कार सम्मान समारोह 23 मार्च 2022 को जयपुर में ही किया जाएगा। अवॉर्ड से जुड़ी अधिक जानकारी www.changemakerhumanityaward.in पर उपलब्ध है।

Rajasthan Patrika

अनसंग हीरोज को मिलेगा चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवॉर्ड

पत्रिका plus रिपोर्टर

जयपुर. जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और भारत सोका गक्कई (बीएसजी) प्रदेशभर के गुमनाम नायकों को सम्मान दिलाने के लिए अनूठी पहल की है। इसके लिए दोनों का एक एमओयू हुआ है और इसके तहत अनसंग हीरोज को 'चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवॉर्ड' प्रदान किया जाएगा। मंगलवार को प्रेस क्लब में आयोजित एक कार्यक्रम में इन अवॉर्ड्स की लॉन्चिंग हुई।

कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के चांसलर संदीप बख्शी और बीएसजी के अध्यक्ष विशेष गुप्ता व यूनिवर्सिटी के वीसी रैना मौजूद थे। संदीप बख्शी ने बताया कि कोरोना काल में अपने कार्यों के जरिए बदलाव लाने वाले लोगों को इस मुहीम के तहत सम्मानित किया जाएगा। यह पहल चेंजमेकर्स को सम्मानित करने के साथ लोगों में बदलाव लाने के लिए की जा रही है। विशेष शर्मा ने बताया कि 15 दिसम्बर से लेकर 15 जनवरी तक लोग अपने नॉमिनेशन ऑनलाइन भेज सकते हैं। इसमें एजुकेशन, मेडिकल और कम्यूनिटी हैल्थ केयर जैसी कैटेगिरी में कुल 45 अवॉर्ड प्रदान किया जाएंगे। यह समारोह इस बार 23 मार्च 2022 को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

Patrika News

पत्रिका

https://www.patrika.com/jaipur-news/bharat-soka-gakkai-jnu-change-maker-huminity-award-7224186/

Zee Rajasthan

https://www.bharatsokagakkai.org/launch-of-change-maker-humanity-award/#zee-tv-video

Awaaz

गुमनाम नायकों को मिलेगा 'चेंज मेकर ह्यूमिनिटी अवॉर्ड'

जयपुर। कोविड संक्रमण के दौरान अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समाज सेवा में मददगार बनकर अपनी नैतिक जिम्मेदारी निभाने वाले गुमनाम योद्धाओं को चैंजमेकर ह्यूमिनटी अवार्ड से सम्मानत किया जाएगा। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और भारत सोका गकाई मिलकर उन्हें यह अवॉर्ड प्रदान करेंगी। जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी और भारत सोका गकाई अध्यक्ष विशेष गुप्ता की ओर से संयुक्त रूप से इस अवॉर्ड की घोषणा की गई। इस अवॉर्ड के लिए नामांकन के आवेदन 15 दिसंबर से 15 जनवरी 2022 तक भरे जाएंगे।

Awaaz News, Rajasthan

https://youtu.be/0ENslx2NhkY

Rajasthan Patrika TV

https://www.bharatsokagakkai.org/launch-of-change-maker-humanity-award/#patrika-video

DD News, Rajasthan

https://youtu.be/JvFg58X3vSM

1st India News

1st India News

https://www.facebook.com/191575657693670/posts/1886938754824010/

राजस्थान
Rajasthan

Change Maker Humanity Award: कोरोना काल के गुमनाम नायकों को मिलेगा सम्मान, दिया जाएगा चेंज मेकर ह्यूमानिटी अवार्ड

जयपुर. कोरोना संकट के विकट दौर में कई लोगों ने नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी निभाकर मिसाल पेश की है. लेकिन कई योद्धा ऐसे भी हैं जो गुमनामी में हैं और उनका काम अभी दुनिया के सामने नहीं आ पाया है. ऐसे नायकों को सम्मान दिलाने का बीड़ा जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और भारत सोका गक्कई ने उठाया है.

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी और भारत सोका गक्कई के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने बुधवार को संयुक्त रूप से चेंज मेकर ह्यूमानिटी अवार्ड (Change Maker Humanity Award) की घोषणा की है.

डॉ. बख्शी और गुप्त ने बताया कि यह पहल उन गुमनाम योद्धाओं को समाज के सामने लाकर सम्मानित करने के लिए की गई है. जिन्होंने कोरोना संकट जैसी विकट परिस्थिति में अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समाज सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है.

यह अवार्ड इस परंपरा को सुदृढ़ करेगा कि न केवल सेवा भावना से दूसरों को प्रेरित कर सकता है, बल्कि उनमें समाज में बदलाव लाने की बड़ी क्षमता है. इसका मुख्य उद्देश्य मानव सेवा से जुड़े लोगों को सम्मानित करना है. जिन्होंने समाज सेवा के क्षेत्र में निस्वार्थ भाव से काम किया है.

इसके तहत किसी भी व्यक्ति या उसकी टीम और संस्था का इस अवार्ड के लिए चयन किया जाएगा. इसके लिए नामांकन 15 दिसंबर 2021 से 15 जनवरी 2022 तक लिए जाएंगे. विजेताओं का चयन एक प्रतिष्ठित निर्णायक मंडल की ओर से शार्ट लिस्ट किए गए नामांकन से किया जाएगा. सम्मान समारोह 23 मार्च 2022 को जयपुर में आयोजित होगा.

समाचार जगत

जयपुर में गुमनाम नायकों को सम्मानित करने की अनोखी पहल

जेएनयू और बीएसजी ने चेंजमेकर अवार्ड देने की घोषणा की

जयपुर, समाचार जगत न्यूज। कोरोना संक्रमण के दौरान राजस्थान में बहु से गुमनाम योद्धाओं ने मसीहा बनकर मानवता का परिचय देते हुए अप नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है। इन कर्मवीरों क सम्मान जयपुर में करने के लिए जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और भारत सोक गक्कई (बीएसजी) ने चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड देने की घोषणा की है । जेएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी और बीएससी के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि क्या साहब पैक उन गुमनाम जोड़ों को सम्मानित करने की है जिन्होंने खासकर कोविड-19 में अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है। कर्मवीर योद्धाओं को दिया जाने वाला यह सम्मान निस्वार्थ सेवा की परंपरा और विचारधारा को प्रेरित करेगा और लोगों को सेवा भावना के लिए अग्रणी रखेगा। इस पुरस्कार के लिए नामांकन वेबसाइट पर 15 दिसंबर से 15 जनवरी 2022 तक भरे जा सकते हैं। जयपुर में पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन 23 मार्च 2022 को विभिन्न कैटेगरी के कुल 45 अवार्ड देकर गुमनाम योद्धाओं का सम्मान किया जाएगा।

मॉर्निंग न्यूज़
अपना अखबार

गुमनाम नायक होंगे सम्मानित

जयपुर। कोविड संक्रमण के दौर में गुमनाम नायकों को खास पहचान और सम्मान दिलाने, उनके जज्बे को सलाम करने की प्रतिबद्धता और हौसलों के लिए चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। जएनयू के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी और भारत सोका गक्कई के अध्यक्ष, विशेष गुप्ता की ओर से बुधवार को इस अवार्ड की घोषणा की। इस पहल में उन्हें सम्मानित किया जाएगा जिन्होंने कोविड में चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समाज सेवा में योगदान दिया।

THE PUBLIC SIDE

गुमनाम नायकों को सम्मान दिलाने की अनूठी पहल

जयपुर नेशनल युनिवर्सिटी और भारत सोका गक्कई ने की चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड देने की घोषणा

जयपुर। कोविड संक्रमण के दौर में दुनिया का हर कोई व्यक्ति नई चुनौतियों और विपदाओं का सामना करने को विवश हो रहा है। ऐसे में चेंज मेकर की भूमिका में न जाने कितने गुमनाम योद्धाओ ने एक मसीहा की तरह अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी बखूबी निभाई। ये वे कर्मवीर थे जो मानवता की सच्ची सेवा की मिसाल बनकर दूसरों की खुशियों के लिए सुरक्षा ढाल बन गए। ऐंसे गुमनाम नायकों को अब खास पहचान और सम्मान दिलाने, उनके सेवा के जज्बे को सलाम करने की प्रतिबद्धता और हौसलों के लिए चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

जयपुर नेशनल युनिवर्सिटी के चांसलर डॉ संदीप बख्शी और भारत सोका गक्कई के अध्यक्ष विशेष गुप्ता की ओर से संयुक्त रूप से बुधवार को शहर में आयोजित सम्मेलन में इस अवार्ड की घोषणा की। इस सयुंक्त पहल उन गुमनाम या विस्मरणीय योद्धाओं को सम्मानित करने और उनसे प्रेरणा लेने के लिए की गई है जिन्होंने खासकर कोविड के अत्यंत गंभीर समय में अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समाज सेवा में अमूल्य योगदान दिया। चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड इस परंपरा व विचार को सुदृढ करेगा कि आम व्यक्ति न सेवा भावना से ही दूसरों के प्रेरणा स्रोत बन सकते हैं बल्कि उनमें समाज में बदलाव लाने की सबसे बडी क्षमता है। जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बख्शी ने कहा चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड की स्थापना अनकहे और अनजाने लोगों की मानव सेवा प्रयासों की पहचान करने व सुर्खियों में लाने और उन्हें सम्मानित करने के उदेश्य से की गई है। हम इस प्रयास में बीएसजी के साथ जुड़कर इस कार्य को व्यापक स्तर पर चलाएंगे। बीएसजी के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने कहा कि चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड का उद्देश्य मानव सेवा से जुडे लोगों को सम्मानित करना है। जिन्होंने एक मानवीय समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया है। राजस्थान में ऐसे गुमनाम योद्धा जिनके कार्यों की अब तक पहचान नहीं उन्हें पहचान और सम्मान दिलाने की दिशा में यह एक अनुकरणीय प्रयास है। इसके लिए किसी भी व्यक्ति या उनकी टीम, संस्था का चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड के लिए चयन किया जाएगा। पूरे मानदंडों को पूरा करने वाले अभ्यर्थी को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया जाएगा। इस अवार्ड के लिए नामांकन 15 दिसंबर 2021 से जनवरी 15, 2022 तक भरे जा सकते हैं। विजेताओं का चयन एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए नामांकन में से किया जाएगा। पुरस्कार सम्मान समारोह 23 मार्च 2022 को जयपुर में आयोजित किया जाएगा।

Society News

गुमनाम नायकों को सम्मान दिलाने की अनूठी पहल

जयपुर नेशनल युनिवर्सिटी और भारत सोका गक्कई (बीएसजी) ने की चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड देने की घोषणा जयपुर। कोविड संक्रमण के दौर में दुनिया का हर कोई व्यक्ति नई चुनौतियों और विपदाओं का सामना करने को विवश ह® रहा है। ऐसे में चेंज मेकर की भूमिका में न जाने कितने गुमनाम योद्धाअंो ने एक मसीहा की तरह अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी बखूबी निभाई। ये वे कर्मवीर थे जो मानवता की सच्ची सेवा की मिसाल बनकर दूसरों की खुशियों के लिए सुरक्षा ढाल बन गए। एंेसे गुमनाम नायकों को अब खास पहचान और सम्मान दिलाने, उनके सेवा के जज्बे को सलाम करने की प्रतिबद्धता और हौसलों के लिए चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी के चांसलर डॉ संदीप बख्शी और भारत सोका गक्कई (बीएसजी) के अध्यक्ष, विशेष गुप्ता की ओर से संयुक्त रूप से बुधवार को शहर में आयोजित सम्मेलन में इस अवार्ड की घोषणा की। इस सयंुक्त पहल उन गुमनाम या विस्मरणीय योद्वाओं को सम्मानित करने और उनसे प्रेरणा लेने के लिए की गई है जिन्होंने खासकर कोविड के अत्यंत गंभीर समय में अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समाज सेवा में अमूल्य योगदान दिया। चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड इस परंपरा व विचार को सुदृढ करेगा कि आम व्यक्ति न सेवा भावना से ही दूसरों के प्रेरणा स्रोत बन सकते हैं बल्कि उनमें समाज में बदलाव लाने की सबसे बडी क्षमता है। जेएनयू के चांसलर डॉ संदीप बख्शी ने कहा चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड की स्थापना अनकहे और अनजाने लोगों की मानव सेवा प्रयासों की पहचान करने व सुर्खियों में लाने और उन्हें सम्मानित करने के उदेश्य से की गई है। हम इस प्रयास में बीएसजी के साथ जुड़कर इस कार्य को व्यापक स्तर पर चलाएंगे। बीएसजी के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने कहा कि चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड का उद्देश्य मानव सेवा से जुडे लोगों को सम्मानित करना है। जिन्होंने एक मानवीय समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए निस्वार्थ भाव से काम किया है। राजस्थान में ऐसे गुमनाम योद्वा जिनके कार्यांे की अब तक पहचान नहीं उन्हेंे पहचान और सम्मान दिलाने की दिशा में यह एक अनुकरणीय प्रयास है। इसके लिए किसी भी व्यक्ति या उनकी टीम, संस्था का चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड के लिए चयन किया जाएगा। पूरे मानदंडों को पूरा करने वाले अभ्यर्थी को इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया जाएगा। इस अवार्ड के लिए नामांकन 15 दिसंबर 2021 से जनवरी 15, 2022 तक भरे जा सकते हैं। विजेताओं का चयन एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल द्वारा शॉर्टलिस्ट किए गए नामांकन में से किया जाएगा। पुरस्कार सम्मान समारोह 23 मार्च 2022 को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। अवार्ड के लिए पूरा विवरण वेबसाइट पर उपलब्ध है।

दैनिक लोकमत
जयपुर, बीकानेर एवं लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

जयपुर में गुमनाम नायकों को सम्मानित करने की अनोखी पहल

जेएनयू और बीएसजी ने चेंजमेकर अवार्ड देने की घोषणा की

जयपुर। कोरोना संक्रमण के दौरान राजस्थान में बहुत से गुमनाम योद्धाओं ने मसीहा बनकर मानवता का परिचय देते हुए अपनी नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी को बखूबी निभाया है । इन कर्मवीरों का सम्मान जयपुर में करने के लिए जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी और भारत सौका गक्काई (बीएसजी) ने चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड देने की घोषणा की है । जेएनयू के चांसलर डॉं संदीप बख्शी और बीएससी के अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि क्या साहब पैक उन गुमनाम जोड़ों को सम्मानित करने की है जिन्होंने खासकर कोविड-19 में अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा, सामुदायिक स्वास्थ्य, शिक्षा और समाज सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया है । कर्मवीर योद्धाओं को दिया जाने वाला यह सम्मान निस्वार्थ सेवा की परंपरा और विचारधारा को प्रेरित करेगा और लोगों को सेवा भावना के लिए अग्रणी रखेगा। इस पुरस्कार के लिए नामांकन वेबसाइट पर 15 दिसंबर से 15 जनवरी 2022 तक भरे जा सकते हैं । जयपुर में पुरस्कार सम्मान समारोह का आयोजन 23 मार्च 2022 को विभिन्न कैटेगरी के कुल 45 अवार्ड देकर गुमनाम योद्धाओं का सम्मान किया जाएगा ।

First City

NS Anand, Vishesh Gupta, Dr Sandeep Bakshi and Prof. RL Raina

HONOURING THE BRAVE HEARTS

CITY FIRST

Jaipur National University, Jaipur in collaboration with the Delhi-based organisation, Bharat Soka Gakkai (BSG) announced to felicitate and honor the contributions of the valiant efforts of breavehearts in diverse fields at the conference held in the city on Wednesday. They will be accorded with the 'Change Maker Humanity Award'.

The joint initiative has been undertaken to honor, recognise and celebrate the humanitarian contributions of those who have worked tirelessly during the pandemic.

Echoing the shared vision, the Chairperson of BSG, Vishesh Gupta said, "The Change Maker Humanity Award aims to felicitate humanitarians who have worked selflessly to contribute to building a humane society. Both, JNU and BSG, instituted this award to put the light on such hearts of the socie

सीमा सन्देश

गुमनाम नायकों को सम्मान दिलाने की अनूठी पहल

जयपुर नैशनल यूनिवर्सिटी व बीएसजी ने की चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड की घोषणा

जयपुर(सीमा सन्देश)। कोरोना काल में दुनिया का प्रत्येक व्यक्ति नई चुनौतियों व विपदाओं का सामना करने को विवश है। ऐसे में चेंज मेकर की भूमिका में न जाने कितने गुमनाम यौद्धाओं ने एक मसीहा की तरह अपनी नैतिक व सामाजिक जिम्मेदारी बखूबी निभाई है। ये वे कर्मवीर थे, जो मानवता की सच्ची सेवा की मिसाल बनकर दूसरों की खुशियों के लिए सुरक्षा ढाल बन गये। ऐसे गुमनाम नायकों को अब खास पहचान व सम्मान दिलाने, उनके सेवा के जज्बे को सलाम करने की प्रतिबद्धता और हौसलों के लिए चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा।

जयपुर नेशनल यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के चांसलर डॉ. संदीप बख्शी और भारत सोका गक्कई (बीएसजी) अध्यक्ष विशेष गुप्ता की ओर से बुधवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में इस अवार्ड की घोषणा की गई।

उन्होंने कहा कि यह संयुक्त पहल उन यौद्धाओं को सम्मानित करने और उनसे प्रेरणा लेने के लिए की गई है, जिन्होंने कोरोना के गंभीर समय में अपनी जान की परवाह किए बिना चिकित्सा सामुदायिक स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और समाज सेवा में अमूल्य योगदान दिया। अवार्ड इस विचार को सुदृढ करेगा कि आम व्यक्ति सेवा भावना से ही दूसरों के प्रेरणास्रोत बन सकते हैं और उनमें भी समाज में बदलाव लाने की बड़ी क्षमता है। डॉ. बख्शी ने कहा कि इस अवार्ड की स्थापना अनकहे और अनजाने लोगों की मानव सेवा प्रयासों की पहचान करने व सुर्खियों में लाने और उन्हें सम्मानित करने के उद्देश्य से की गई है। बीएसजी अध्यक्ष विशेष गुप्ता ने कहा कि अवार्ड का उद्देश्य मानव सेवा से जुड़े लोगों को सम्मानित करना है। जिन्होंने एक मानवीय समाज के निर्माण में योगदान देने के लिए निःस्वार्थ भाव से काम किया है।

ऐसे कर सकते हैं आवेदन

डॉ. बख्शी व गुप्ता ने कहा कि इसके लिए किसी भी व्यक्ति या उनकी टीम, संस्था का चेंज मेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड के लिए चयन किया जाएगा। मानदंडों को पूरा करने वाले अभ्यर्थी इस पुरस्कार के लिए नामांकित किया जाएगा। इस अवार्ड के लिए नामांकन 15 दिसंबर से शुरू हो गये है और अंतिम तिथि 15 जनवरी रखी गई है। विजेताओं का चयन एक प्रतिष्ठित जूरी पैनल द्वारा शॉर्टलिस्ट किये गये नामांकन में से किया जाएगा। सम्मान समारोह 23 मार्च को जयपुर में आयोजित किया जाएगा। अवार्ड के लिए पूरा विवरण वेबसाइट चेंजमेकर ह्यूमैनिटी अवार्ड डॉट इन पर उपलब्ध है।